

प्रेषक,

डा० उमाकान्त पंवार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,

पर्यटन निदेशालय,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 26 मार्च, 2015

विषय:- शीतकालीन चारधाम यात्रा के लिए अवस्थापना सुविधाओं के विकास के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में द्वितीय अनुपूरक मांग के माध्यम से ₹ 50.00 लाख की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-415/2-7-27/(शी०का०चा०धा०या०), दिनांक 16 जनवरी, 2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चारधाम यात्रा के लिए अवस्थापना सुविधाओं के विकास के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में द्वितीय अनुपूरक मांग के माध्यम से चारधाम यात्रा मार्गों पर आधारभूत सुविधाओं का निर्माण/विकास मद में प्राविधानित धनराशि ₹ 50.00 लाख में से इतनी ही धनराशि ₹ 50.00 लाख (₹ पचास लाख मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (i) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (ii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (iii) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।
- (iv) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (v) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक 31 मार्च, 2015 तक अवश्य कर लिया जाय।
- (vi) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vii) एक योजना हेतु स्वीकृत धनराशि का व्यय दूसरी योजना पर कदापि न किया जाय।
- (viii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाय।
- (ix) कार्यदायी संस्था के निधारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (x) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 में उल्लिखित प्राविधानों एवं इस सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों/नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

- (xi) कार्य के प्रति पूर्ण भुगतान करने से पूर्व किसी तृतीय पक्ष से इसकी गुणवत्ता की चेकिंग का कार्य उक्त अनुमोदित लागत से कराये जाने के बाद कार्य अनुमोदित आगणन के अनुसार होने की पुष्टि पर ही भुगतान किया जायेगा। यह दायित्व निदेशक पर्यटन का होगा। अतः निदेशक पर्यटन Third party Monitoring की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।
- 2- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-26 के लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परियोजना-80-सामान्य-आयोजनागत-104-संबर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-52-चारधाम यात्रा मार्गों पर आधारभूत सुविधाओं का निर्माण/विकास-42-3-अन्य व्यय के मानक मद के नामे डाला जायेगा
- 3- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-1055/XXVII(1)/2014, दिनांक 30 दिसम्बर, 2014 में की गयी व्यवस्था के क्रम में जारी किये जा रहे हैं। अतः उक्त शासनादेश में की गयी व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S+50-3260605 द्वारा निर्गत किया जा रहा है।
- संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(डा० उमाकान्त पंवार)  
सचिव।

संख्या:-584/VI(1)/2015-02(0)/2012, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग एवं चमोली।
- 5- जिला पर्यटन विकास अधिकारी उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग एवं चमोली।
- 6- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(प्रकाश चन्द्र भट्ट)  
उप सचिव।